20. हो सोनातोः कजि/ हो मुहावरा

1. लुंडिः बोंगा हतिर – लाइः रेगेः (पेट की भूख)
2. मेनः रेदो हटः हटः, बनोः रेदो बटः बटः – बिति नमा कारे एड़ाः बगे रिकाए चबाकेरः –कंगाड़ावोः (जब तक धन–सम्पति है पानी के तरह बहाना और नहीं रहने पर हवा में मुंह खोल के रहना)
3. मेड् दअः जोरोए – रसि दअः तेंडुः (हड़िया से रसि को निकालना)
4. हसा गोःए "हसा गोः इचिः" – गोजोः (मृत्यु)
5. सरू सकम रे दअः दुले रे का लोटावोः – कजि का गोनोड.ोः कजि समारे सेनोः (सुनकर अनसुना कर देना)
6. लिजः ते दअः गोंचाए– इसुपुरः कुटु – (बहुत कंजुस)
7. अरसि बुगिन बनोः – मेड् का नेल जोम (आंख का अंधा या काना)
8. पुंडि रम्बा उतुई – समा बुलुङते मंडि एमे (जोमे) – नमक भात खाना।
9. एटः कोवः गासिः ओङ बियुर – (अयुमड् कजि उदुब–बियुर) अफवाह फैलाना या किसी बात को इधर–उधर करना।
10. एंगा सेता लेका चडुलोम गपुईः – बोरोए, लंडियन, पईटिते उसन (डरपोक, काम चोर, काम के प्रति ध्यान न देना)
11. बिलाए लेका हउर तोपन – (अपनः दोसो दनाङे) अपनी गलती को छुपाना।
12. गेड्ता जिलु गेड्ता – गेड्ता, चिपाता मया चिपाता – चिपाता /कजि केड कजि गे नेका – नेका कजि उरा (एक बात को बार – बार दोहराना।)
13. मुयुको गुपि (होनको जर) – बच्चों का देखभाल करना।
14. बुदु हकुको चपु–नमको– दअःमंडि जोम (माड़/पानी भात खाना)
15. दटा जड. लेलेः एड़ः– जुरिबना एम, चिड़ा हल कोंड़ियासिको तेयः (जुर्माना लगाना)
16. कटा–ति दः– हामेयन–बुड़ियन (बुजुर्ग हो जाना)
17. बुलुड. बेपार ते सेनोः– गोःएयनिः (मृत्यु को प्राप्त करना)
18. समड. चंदाए –एड्कन उमि (बदनामी)
19. बुटि रे सुनुमा कनते गितिः – समा रे तइन (बेकार में रहना)
20. बुटि का गसरा कन – अउरि सेयॉवोः होन (नासमझ, नादान बच्चा)
21. नमा दअः काड़ोब दाड़ो– बला तड् को कटा को अबुड. को तनू रेको बड् को तेयः (समधी–समधन को पैर धोते समय मुद्रा प्रदान करना)

22. निदा दअः गोः– डुकि पोड़ोम (बिस्तर में पेशाब करना)
23. बोदम बोंगा कःइ– डुकि पोड़ोम (विस्तर में पेशाब करना)
24. पपारि दोलन जोम– नइकि हो (जमींदार व्यक्ति)
25. मेड् दअः चेतन मंडि– डियड. नुइ– जोमे– चेंटा नमें निः (बहुत सताना/ दुख सहना)
26. बर ति ते जोमे– रेगेः नमोः (भूख से तड़पना)
27. सेंगेल गुचड. जोमे– रेगेः नमोः (भूख लगना)
28. तोवा दटा अउरि रपुडोः – का सेंयाँ कनिः मुरूकु (नासमझ, नादान)
29. दअः सकम चरिः नम– एरा किरिञ लगिड् कुलि–कजि (विवाह के लिए वधु की खोज)
30. पुंडि पुकुरि रे ओड़न– डियड. नु बुल (हड़िया पीकर नशा होना)
31. उयुड् का बियुरेन– कजि का अयुम नि (बात नहीं सुनना)
32. एंगा सिम कोकोचोःए– एरा तन को गोपोंदे तन (औरतों का झगड़ा)
33. दुबुइ पा रे आ'वो– कजि बोदोलते निः (बात को इधर–उधर करना, बात बोल कर पलटना)
34. सिसिर दअः ते तिरपि– डियड. नुइ तेयः (हड़िया का सेवन करना)
35. अइया टोगः रेयः बुदि ओःले– दांड़ि बुदि, हो बइ–गोएः पइटि (डाइन विद्या और कला जादु से हानि पहुँचाना)
36. कनि अंगुड़ि का डेकोडे– जाइः जा का चिका दइयाइ (कुछ नहीं बिगाड़ पाना)
37. गइ–सरः लेका जोवर के'ते जाइःय गोतोवा'रे बोलो– कटा सुबा रे हुजुः, कटा सुबा रे इयुः (पैर पड़ना, पैर में गिरना)
38. अपनः दोया दःता– अपनः दो'सो उकुइ ओन्डोः एटः कोवः दो'सो उदुबे (अपना गलती छिपाना, दूसरो को दोषारोपण करना)
39. जनुम रेगे सुसुः– मेड् रेगे कजि (पीठ पीछे नहीं कहकर– आमने–सामने कहना)
40. कुचाकन बिञ होटः– का कुरकुरोः तनिः कुरकुर इचि (बेवजह गुस्सा दिलाना)
41. सुड़ा सगेन रे सःव–दइन– हामतन हो' बलेः एरा नम (आदि) (बुजुर्ग व्यक्ति का कमरीन लड़की से विवाह होना)
42. पुटावा कन बा तःरे उरूको बियुरेन– हपानुम पा कुलि कजि (विवाह हेतु लड़की का खोज)
43. बेला मंजि दो जिरावोः कजि दो का जिरावोएँ– कजि का उकु–दइयोः (भात तो पच जाता है, मगर बात नहीं पचता)
44. जिलु जोमते– गोनोएःतः (मृत्यु संस्कार में जाना)
45. सिञ सुबा दरू सुबावोः– बला–सकावोः (विवाह होकर ससुराल चले जाना)
46. होनःइः जकेड् लडे– होन लनाः ते दुलाड़ाइ (संतान के प्रति बहुत ज्यादा स्नेह)

47. ति को किरिञे (हेड्–रोवा) पइटि लगिड् नला अचुइ (धान रोपनी तथा कृषि कार्य में लगाना)
48. हतु दिसम चंयाए– हुत दिसुम उमि, एडका केडाए (बदनामी)
49. असरा कुम्बड रे बिड. बोलो– नमो:तेय: का नमो: मेन: एते का नमो: (मिलकर भी नहीं मिलना, रहते हुए भी नहीं मिलना)
50. ओव: रे कटेया– चुटु उइ: केन्ते गोजो:– रेगे: ओव: हो, पोरजा हो (गरीब व्यक्ति, स कंजुस व्यक्ति, घर में कुछ ना होना)
51. एंगा सेता–लेका चडलोम गपुइ– बोरोए, लंडियन (डरपोक)
52. एट: कोव: कजि ते तोल– गोजेन– जइ:य कजिते सेसेन (दूसरों के फिजूल बातों में आना/ चलना)
53. सुबा सकम पे नम तना चि सिरमा सकम– मर्रेनि: (मुतकुल नि: तला नि:,चि हुड़िञ नि: (लिटा नि:पे नम तना) (बड़ी, मांझली, ना छोटी लड़की को पसन्द व खोज रहे हो)
54. मेन: रेदो हट: हट:, बनो: रेदो बट:बट:– बिति नमा कारे एड़ा: बगे रिकाए चबाकेरे:– कंगाड़ावो: (जब तक धन–सम्पति है पानी के तरह बहना और नहीं रहने पर हवा में मूंह खोल के रहना)
55. मेड् दअ: जोरोए– रसि दअ: तेंड्: (हड़िया से रसि को निकालना)
56. हसा गो:ए "हसा गो: इचि:"– गोजो: (मृत्यु)
57. सरू सकम रे दअ: दुले (ते कालोटावो:)– कजि का गोनोड.ो: कजि समारे सेनो: (सुनकर अनसुना कर देना)
58. लिज: ते दअ: गोंचाए (इसुपुर:कुटु)– बहुत कंजुस
59. अरसि बुगिन बनो:– मेड् का नेल जोम (आंख का अंधा या काना)
60. पुंडि रम्बा उतुई– समा बुलुड.ते मंडि एमे (जोमे)– नमक भातखाना।
61. एट: कोव: गासि:ओड. बियुर– (अयुमड् कजि उदुब–बियुर) अफवाह फैलाना या किसी बात को इधर–उधर करना।
62. एंगा सेता लेका चड्लोम गपुई:– बोरोए, लंडियन, पईटिते उसन (डरपोक, काम चोर, काम के प्रति ध्यान न देना)
63. बिलाए लेका हउर तोपन– (अपन: दोसो दनाडे.) अपना गलती को छुपाना।
64. गेड्ता जिलु गेड्ता– गेड्ता, चिपाता मया चिपाता– चिपाता (कजि केड कजि गे नेका– नेका कजि उरा) एक बात को बार–बार दोहराना।
65. मुयुको गुपि (होनको जर)– बच्चों का देखभाल करना।
66. रचको जोबोरायाना, जो: लेयाबू (करकडेन तेया:)–दतवन करना

67. ''मेन:रेदो हटः-हटः बनो:रेदो बट:बट:'
बिति नमाकारे एड़:- बगें रिकाए, चबाके'रे रेंगे:- कंगाड़ावो:।
(एंगा-अपुकिञ अरजावातूड् बितिः हटः-हटःकेडा, ना': दोएः बटः बटःबांया)

68. ''दटा जड.रे रेबेडे''
1. नेल-सांतिञकेंते (कुदुते) बिति सइतिबाए 2. होन-गंड़ा एसु जोतोनते सइतिबा।
(अपने संतान को बहुत दुलार (जतन से रखना)

69. ''एंगा': (अपुवः) आंदि नेले''
गोजेन-लेका रिकाए, गो'गोएः पइटि। (मृत्यु को देखना)

70. ''ती दिपिले'', ''ती दिपिल-इचि''
- गोनोएः दुकु नेले, गोनोएः दुकु नेल-इची। (मृत्यु संस्कार में जाना)

71. ''दटा जड. लेलेः-एडः''- जुरिबना एमे, चिड़ा हल। (जुर्माना लगाना)

72. ''चोके चड्लोमरे पइटी'' - सोमय चबायनरे पइटीरे जांनः का होबावो:वा।''
(समय निकल जाना)

73. ''बोड़ा दः नेल'' - डियड. नू। (हड़िया पीना)

74. सिरमा सॅगिल जलजुटा चिबोः तिरूब सुकूरि- सिगरेट सिब निः चि डियड. नु निः
(सिगरेट पीने वाला / हड़िया पीने वाला)

75. ''जांइ:यः कजिते तोल-गोजेन'' - जांइ:यः कजिते सेसेन।(दूसरों के बातो में चलना)

76. ''बुटिगे अउरि गसारे'' - अउरि सेंयावोः एड्कन-बुगिनः का उरूमे। (नासमझ/नादान बालक)

77. '' (दांचु:-लेका) तेगा-ओ':ल'' - चकड्-ओ':ल।
(ठगना/बहला-फुसलाकर घर से निकाल देना)

78. ''सेता जलकेड् मॅडि-चटु ओव:ते अदेर''
- जति-बा'रेयन कुइ (मिसि कुइ, होन एरा) जति तलाइ , लॅबि एरा सइतिबा (एराइ)
(बदनामी घर में लाना)

79. ''गंगाइ काः बइन''- का मनातिञ (हरो:), एसु हया-जुलुमतिनि:। (जोर-जुलुम होना)
(जान हतुरेयो' दमा-दुमड. सड़िः अयुमके' रेदो जा'चिमिन पइटि

80. ''बुटा बगेतयते कोतो रे सबेन''
- बुटा असोरा का मनातिञे ओन्डोः चनागा (कोतो) पारियः असोरा मनातिञे।
(सन्मार्ग को छोड़कर आमार्ग की ओर जाना)

◆◆◆

सोनोताः कजि (हो मुहावरा)

1. **"मेनाः रेदो हटः-हटः बनोः रदो बटः-बटः"**
   ⇒ बिति नमाकारे एड़ः बके 'रिकाए, चबाके' रे रेंगे+ कंगाड़ावोः।
2. **"असारा कुम्बड़ूरे बिङ बोलो"**
   ⇒ नमोः तेयः का नमोः, तेयः एते का नामेः।
3. **"बितर हसा चेताने।"**
   ⇒ हो' गोएः, हो' गोएः इचि।
4. **"हसा गोःए" "हसा गोः-इची"**
   ⇒ गोजोः, गोःए इचि।
5. **"बिलाए-लेका हउर-तापान"**
   ⇒ अपनः दो'सो दनाङे, अपनः एड्कन पइटिको उकु-दनङे।
6. **"नमा दः का'ड़ोब दा'ड़ो"**
   ⇒ बलाको कटा अबुङकोतनरे बड्को।
7. **"अइया टोंङ्गः रेयः बुदि ओः'ले"**
   ⇒ दाँड़ि बुदि, हो'बइ-गोएः पइटि।
8. **"गेड्ता जिलु गेड्ता-गेड्ता, चिपाता माया चिपाता-चिपाता"**
   ⇒ कजिकेड्तेयः गे नेका-जके कजि-उरा।
9. **"मेड् दः जोरोए"**
   ⇒ रसि दः तेंडः।
10. **"सरू सकमरे दः दुलू (का लोटावोः)"**
    ⇒ कजि का गोनोङोः कजि समारे सेनोः।
11. **"मुटारे टकिः इन"**
    ⇒ सोमजवोः, दुकु अटकरे।
12. **"लिजः ते दः गोचाए"**
    ⇒ एसु पुरः ओयोल।
13. **"एंगाः (अपुवः) आं'दि नेले"**
    ⇒ गोजेन-लेका रिकाए गो'गोएः पइटि।
14. **"जोम-जोमते इतिलोः"**
    ⇒ मुकुञोः ते का सनङोः।

15. **"जाइः चिपुडे दः का जोरो':ओ**
⇒ एसु ओयोल।
16. **"बुदु हकुको चपु-नमको"**
⇒ दः मंडि जोमे।
17. **"निदा दः गोः"**
⇒ डुकि पोड़ोमोः।
18. **"कटा-ति दः"**
⇒ हा'मेयन, बुड़ियन।
19. **"कनि अंगुड़ि का डेकोडे"**
⇒ जा'इः जा' का चिका-दइयाइ।
20. **"दटा जङ लेलेः - एड़ः"**
⇒ जुरिबना एमे, चिड़ा हल।
21. **"दिन मुंडिरे रम्बा' रसि नमे"**
⇒ सिरमा तुंडुरे नला नमे।
22. **"बुलुङ बेपारते सेनोः"**
⇒ गोजोः।
23. **"अरसि बुगिन बनोः"**
⇒ मेड् का नेल-जोम।
24. **"बुलुङ बेपारते सेनोः"**
⇒ गोजोः।
25. **"अपनः दोया-दःता"**
⇒ अपनः दो' सो उकुइ ओन्डोः एटः कोवः दो' सों उदुबे।
26. **"इः जकेड् नेल-सेनोः आए"**
⇒ एसु पुरः ओयोल।
27. **"ओवः रेयः मंडि-चटु ओ':ल-एड़ः एः (तुल ओ':लो)"**
⇒ अपनः ओवः उमी।
28. **"चड्लोमरे पइटि"**
⇒ सोमय चबायनरे पइटिरे जा'नः का हो बावोः वा।
29. **"बोड़ा दः नेल"**
⇒ डियङ नू।
30. **"पुंडि रम्बा' उतुइ"**
⇒ समा बुलुङते मंडि एमे (जोमे)

❑❑❑

कजि-जुड़ि कजि (हो' कहावत)

1. **"डियङरेचा डुबुल अकाड़ारेचा बकाणा।"**
   ⇒ डियङ नुके' तेदो दमा-दुमङ एसु रू:वा ओन्डो: अकाड़ारे सुसुन-दुरङ-दइयो:वा।
2. **"हगाको ओव: दो इकिरा चि तेम्बेडा कञ नेलादा"**
   ⇒ कटु हगाको।
3. **"ओव: दो तम दोदोरो कजिदो तम पोन्दोरो"**
   ⇒ ओव:रे जोमे-नुइय: दो बनो: वा मेन्दो कजिदो निमिन-निमिनले बँदिया मेन-लेकान: लना':ते, पुटाणि (चोबि) हो'।
4. **"डियङ तिलकोदो अइत: को कंटु: वाना"**
   ⇒ डियङ तिलतनि: दो सबेनतेको सब-उरा इते पुर:ए नुइया, अइया हो कोए: तिलकोरेदो अइ पु:इ: नुइया, गेल हो' कोरेदो गेल पू:उ
5. **"कम एरा-जोमरेदो कुचातेम गोजो: वा"**
   ⇒ हो' कोव: कनाजि-केकाते का एरा जोमरेदो हा'म तनरे एसु दुकु नमो: वा, अपन: एरा चि होनको-के'यारेदो हिलि चि किमिन ओन्डो: होन कुइ ओन्डो: गुंगुकोदो कको जो' तोना, गोए: तनरे कको सब-आं' जेड्ते कुचाकोते गो'गोजा।
6. **"हगा बो'र (बयेर) कुमा केड़े:"**
   ⇒ हगागे आँदि-बपालारे दें गातिनि:, तोल-जीमकि-तिनि: दो, ओन्दो: आं'दि-बपालारे कुमाकोव: केनेटे: मेन: गेया; आँदि-बपाला हगाकोयते बइयो: वा ओन्डो: कुमाकोते केड़े: यो: वा।
7. **"पदाए गुडिगे सङेया"**
   ⇒ एरङ-गों' देतिनि:गे एमो' एमेया ओन्डो: बुमिनो' ए: बुगिना।
8. **"सेनतारे बड्गे टो' के:या, चटुको बड्गे टपाकि: यो: वा**
   ⇒ संगि ओव: रे पइटि चि जा'न: होरारेयो' बड्गे कपाजि-एपेरङ होबा'ओ: गेया।
9. **"उरि:ते उरि: अड्जना गेल बर मुका पगाव अड्जना"**
   ⇒ दोबोड़ि हानि, हानि चेतन हानि।
10. **"अरे: चनाल द: सा' सा' :"**
    ⇒ ओव:-दुवर एड्का-इचिको चि कुपुसुर-इचिको लगिड् मिडो' कजि-केरीरे कुरकुरो: गेचाए:।

11. **"सुइ परोमजनरे सुतम परोमगेया"**
⇒ मिसा होरायनरे एन्कागे सेनोः वा।

12. **"चिमिनेम निरेया दोंडा जंगि मुडिरेम इयूःवा"**
⇒ बिति मेनःरे डिडिन हो' मुसिजदोएः आ'दूःगेया।

13. **"मो'या गंडा बराबरि बनोः वा"**
⇒ सबेन हो' को मिड्गे बङकोवा, तराको असुलतना तराको रेंगेः तना।

14. **"मोलोङरेयः दो कम चोटः जा"**
⇒ जा'इःय मोलोङरे ओलाकनतेयः दो होबावोः गेया।

15. **"डिंडा कुड़ि डोंडो चिरे मेरेल जो' डोंडो"**
⇒ मेरेल जो' केड़ेःते का गोपोडाकनोः- लेका बर ओवःते टइनतन एरा कएः टिकावोःवा, बर ओवःते कुइको टइना।

16. **"रेंगे : दो रेबेडेम रबङदो रूबेङेम"**
⇒ रेंगेः यानरे हप' कनोः रेदो रेंगेः अएःतेगे हपा'वोःवा ओन्डोः टबङतनरे रूबेङेन चि कुचनरे पुरः रबङ का अटाकरोःवा मेन लेका दुकु-तकालिप सा'तिजे।

17. **"गउको डियङ बुसुः सेंगेल"**
⇒ बुसुः सेंगेल अंजा' नोः - चबा-ताबोः लेका गउको ओवः डियङदो अंजा' चबावोः वा, का बेटावोःवा।

18. **"नेलतनिः बर बा'गा पइटितनिः मि बा'गा"**
⇒ दुकु नेलतन हो' दुकुतन हो' यते पुरः दुकु नमेया।

19. **"कड्सोम बा' चायला, बबा ब्ह' रसिका"**
⇒ लिजः तुसिङ ता'रे चे'रा ने'ला मंडि-डियङरे रसिका नमोः वा।

20. **"दिकु सकि (पुसि) जनुम बकाइ"**
⇒ दिकुकोलोः सपाकि (जुपुड़ि) दो जनुम बकाइरे बोलोवाकन-लेकागे जा'नुमा;। सुकु-रां'सा का आदावोः वा; अपनःकिलिं-जतिरेगे सपाकि-जुपुड़ि बुगिना, एटः कोदोको चा'कडा।

21. **"हतु जपः एरा अलोम आ'गुवा ओन्डोः हतु जपःरे होन एरा, मिसि कुइ अलोम गोड़िइया"**
⇒ जपःतः मेन्ते जा'नः-जेतानः रेयो' एसु कजि अयुमोः वा ओन्डोः मा'न का नमोः वा।

22. **"दसि पुसि (पसि, पसिर) रम्बा' रसि"**

⇒ मागे पोरोब रम्बा'को उतुइ'या: दसिको बगेन सनङरेदो रम्बा' उतुलो: मँडिको एमा कोवा।

23. **"हेर जेटे बबा चि पुड्वा (मुतुकुल) होन"**

⇒ हेर जेटे बबा बुटाना (होबा वो : वा) ओन्डो: मुतुकुल होन बुगिले: मरङो:वा।

24. **"मिसा हलमड् जोम- सेबेयनको चिया बगेना"**

⇒ मिसा नोंगोड् अटकरके' को, मिसा ला'बो (लपा) नमके'को ओन्डो: को रिकाए गेया।

25. **"इ: तेरेतिनि: अए: गे पसिरो: वा"**

⇒ जा'इ: एड्काइतेय: रिकाए हो' आए:गे' एड्काना।

26. **"अंइ चि बम्बुड्"**

⇒ नमा एरा पे' : पइटितनि: चि का' एनादो नेलिल एनङ अटाकरो:वा।

27. **"सदोम आ'रे लगम मेन:, हो आ'रे लगम बनो: वा"**

⇒ हो' को जान कजि कको हपा दइया:।

28. **"मेरोम आ'रे चि ककरू सो'बा"**

⇒ अयुमड् - नेलड्तेय: जीरे का सोया-इद हो'।

29. **"सुकुरि चि इ: जोमे : बगेया"**

⇒ जा'न: एड्कन: सेबेयानि: जा' चिमिन मनाइरेयो कए: मनावो: वा।

30. **"कुलारेदोए : जोमकेडमेया बिञरेदोए : सोदाके ड्मेया"**

⇒ जा'इ: जा'न: अए: जप:रे मेन:रेयो' ए: नेल-पोचाएतना।

❑❑❑

21. हो कजि-कुड़ि कजि (हो कहावत)

01. माँडि ओवः रे नोलड्गेअ - गलति कड् हो लोओम तइन रे गलति रेम हिसबो:गेअ। (रसोई कड़ हो लोओम तइन रे गलति रेम हिसबो:गेअ।)

02. चिमिन आह इमिन कजि- चिमिन हो इमिन किसुम रेयः कजि उडुञ। (जितने मुँह उतनी बात।)

03. जिलु जिलुते कतु, जड.जड.ते हके। पइटि जंणि सनब पइटि रे अठ। (मांस बनाने में बइठी काम आती है, हड्डी बनाने में टांगी)

04. जेताए तोवा ते काएः चपि अकना -सोबेने को रे जांह चिमिनड.दोस तइन गेअ। (कोई दूध का धुला नहीं है।)

05. जउगे ओड़न रैंया होम्हो रे हुमु तइन गेअ-दोसो दो होको रे जाह चिमिनड. तइन गेअ। (रोज नहाने पर भी शरीर में मैला रहता ही है।)

06. मियड् गे कोवा होन चि कड्सोम रेड? एसकर सुमं ओवः दुवर लेल निः। (कुल का अकेला वारिस या कपास का अकेला जड़?)

07. उरि:ते उरिः अड्जना गेल बर मुका पगाव अड्जना- दोबोड़ि हानि, हानि चेतन हानि (डबल हानि, हानि ऊपर हानि)

08. अरेः चनाल दअः सा'सा :- एटः को अरे दअः दो सा'सा गेया (दूसरो का छींटा हुआ पानी ठंढा होता है)

09. अयुब रेन कुपुल काएः सेनो:अ- अयुब रेयः गमा अजाः काएः पंयांए। (शाम की बारिश जल्दी थमती नहीं है।)

10. अरेः चल दः चि कजि चल कजि- परिसर दः ओन्डोः उकुता जगर हसु गेया। (पानी की छींट और शिकायत असहनीय होती है।)

11. रेंगेः दो रेबेडेम रबड. दो रूबुडे.न चिं कुचन रे पुरः रबड. का अटकरो:व, मेन-लेका दुकु तकलिप सातिञे (भूख और प्यास को बर्दाश्त करना)

12. दरू तइन रे जो नमोः गेअ- एरा बुगिन गे तइन रे हेबे जोमाकन गेएः तइना। (पेड़ सलामत रहेगा, तो उसमें फल लगते रहेंगे।)

13. दारोगा लाइः चि कुला लाइः- दारोगा टका पैसा रेयः ओन्डोः कुला जिलुरेयः को लोबोआ। (दरोगा का पेट या बाघ का पेट।)

14. दुबाकन ते कुला मअः- मरं मरं जगराए। (बैठे-बैठे शेर शिकार करना।)
15. मियड मसुरि अइ हगेया को होबा यना (जोमकेडा)- मियड् हगा हो' एतेगे अइ हगेया को होबायना, एसु पुरअः होको संगियना (मनुष्य की संख्या बढ़ना)
16. कम एरा- जोम रेदो कुचातेम गोजोःवा- का एराजोम रेदो हाम तनरे एसु दुकु नमोःवा (अविवाहित जीवन दुखही दुख है)।
17. सुजा परोम जनरे सुतम परोमगेया- मिसा होरायन रे एन्कागे सेनोःवा (पाँव रखने का जगह देने, पाँव फैलान)
18. हगाको ओवः दो इकिरा चि तेम्बेडा कञ नेलाडा- कुटु हगा को (कंजुस भाई-बन्धु)
19. रेगेः दो रेबेडेम-रबड. दो रूबुंडे.म रेंगेःया कनरे हपाकनोः रेदो रेंगेः अएः तेगे हपावोः वा ओन्डोः रबड. दो रूबुंडे.म चि कुचनरे पुरः रबड. का अटाकरोः वा मेनलेका दुकु तकालिप सति (परिस्थिति से लड़ने की शक्ति विकसित करना)
20. पदाए गुंडिगे सडे.या- एरड.-गोदेतिनिः गे एमो' एमेया ओन्डोः बुगिनेंए बुगिया (झगड़ालु लोगों देते भी हैं और अच्छा भी होते हैं।)
21. चोके रे चड्लोम पेंयाए रे कातु। पइटि तेअः सनब तेरेयो होको लेल उरूमोःअ। (मेंढक की पूँछी, जुलाहे की कूँची।)
22. हगाको ओवः दो इकिरा चि तेम्बेडा कञ नेलाडा- कुटु हगाको (कंजूस भाई-बंधु)
23. सरदि सोमय बेटायनरेदो सगः बुटारेगे डियड. ललिया- सरदि इमितादो ओवः मुतिड् कोलोम मुतिड्रे डियड. ललिया-सरदि इमितादो ओवः मुतिड् कोलोम मुतिड्रे डियड. ललिया (सब घर में हड़िया मिलता है।)
24. असि उतुगे पुरअः नोगोडा सिबिला- समा ते जोम नामोअः दो सुकुगेया। (मंगनी की कढ़ी अधिक स्वादिष्ट होती है।)
25. उम्बुल मिड्पा रेगे का तइना- समय हमेशा एक तरफ नहीं रहती है। (छाया हमेशा एक तरफ नहीं रहती है।)
26. गांसि जोमेया गोनोड. दमा जोमया (नमेया) तम- एटाः दोसोया, एटाःइ सजा नमेया (अक्सर निर्दोष व्यक्ति दोषी बन जाता है।) जैसे- खेत खाते गदहा, मार खाये जोलहा।
27. उम्बुल मिड्पा रेगे का तइना-सबिन सोमंय मिड्गे का तइना।(परिस्थिति सब समय एक जैसी नहीं रहती है।)
28. कुला निरजन ते कपि हुरला- सोंकोट परोम जन ते मरं मरं जगरएं (शेर के भाग जाने पर भलुवा चलाना।)

29. कुला लाइः चि देंवा लाइः? पुरअः साहसो रेयः पइटि रिका।
(शेर की मांद में शेर का शिकार।)

30. कटा रेयः डुलिड् का नेलो:अ – अपनः दोष का नेलो:अ (अपना दोष दिखाई नहीं देता है।)

31. कटा रेयः पगा होटोः ते रकब– ओन्डोः पुरअः तेरेगेन्जे रे टोओ:न: (और अधिक परेशानी में पड़ना)

32. कुम्बु को तेतेः कको सुकअः – कुम्बु को 'दो चंडुः मरसल कको सुकु तेया। (चोर की चाँदनी रात पसंद नहीं है।)

33. ओवअः रेयः जोबरा रचा रे अलोम उडुड.एअ।
ओवअः रेयः एपेरड. कपाजि अलोम उदुब बियुरेअ, एनका रे अपनअः गे इज्जत गटवोअः। (घर का कचरा आंगन में मत निकालो)

34. ओमअः जोमेअः हुडिड. गेया, जबान गे मरड.।
नूएअः जोमेअः ओपोम आते कजि ओपोमअः गे पुरअः गोनोड.ो:अ।
(खान पान का महत्व कम, जबान का महत्व अधिक होता है।)

35. चोके रे चड्लोम (चड्लोम) पेंयाए रे कातु – हो को पे:ए पइटि तेगे को नेल उरूमो:अ (मेहनत और ईमानदारी से ही इंसान की पहचान होती है।)

36. जो तेगे दरू नेल उरूमो:अ– सेयाँ पे:ए तेगे हो 'को नेल उरूमो:अ (मनुष्य की ज्ञान और काविल्यित से ही उसकी पहचान होती है।)

37. दअः दुपिल अगुनिः चिबा 'रि अगुनि:– कु होन चि कोवा होन (पानी लाने वाली या भार ढोने वाला)।

38. अयरते कजितेयः कटेयाको गेरेया। – सिदा रे कजि तेयः समागेया (पूर्व निर्धारित योजनाएँ कामयाब नहीं होती।)

39. अयरते कजितेयः कोकोर गो:ओ:एअ। – सिदारे कजिया कड़ाः समा गेया।
(पूर्व निर्धारित योजनाओं को उल्लू हर लेता है।)

40. अंइ चि बम्बुड्? –संगियोः तेयः चि का संगियो:तेय:? (उत्पादक या अनुत्पादक)

41. मेनअः रेदो हटअः हटअः, बनो रेदो बटअः बटअः। बिति जाहगे जेतागे करचा एड:ए।
(खुशहाली में सूप भर खाना, तंगहाली में नित खोज खाना।)

42. राजि रे पाजि – जुड़ि जुड़ि रे एपेरङा (दोस्ती में दुश्मनी)

43. अएः कुंआ रेः उयु:जना मेनते अमो चि कुंआ रेम उयु:ना? –अएः करबजना मेनते अमो चिम करबेना? (उसके कुएँ में गिर जाने से क्या तुम भी कुएँ में गिर जाओगे?)

44. हो : अकिडए तोरसा डियड. का उपुडु.आ। – सोबेन पइटि रे सोमय लगवो:अ
(उठाते साथ हंड़िया नहीं पकता है।)

45. अतुतन दिरि का गदेडोअ:। – हपाते का तइन होकोकोअ: करबर बुगिते का सेसेना।
(लुढ़कते पत्थरों में कोई नहीं जमता।)

46. अम कणा ते सोबेन चिको कणाकना। मियड् नि: मुरूकु जानते सोबोन कोको मुरूकुआ।
(तुम अंधे हो तो क्या सभी अंधा हो गये।)

47. असि उरिअ: दटा काको ले काएअ। एनका ते नमाकनाअ: काको सलाएअ।
(मंगनी के बैल के दाँत गिने नहीं जाते।)

48. उरिको: दिरिड. का हंबल कोअ। ओअ: रे हुजु:अकन कुपुल बारोम लेका काको चिरगालो: (पशुओं को सींग भारी नहीं लगता है।)

49. एट: जाति होको काको अपनओ:अ। एट: जाति अपन:बुगिन लगिड काको सनड.।
(पराये कभी अपने नहीं होते।)

50. एड्कन पइटि रेय: जोओ एड्का गे नमो:अ। एड्कन पइटि रेय: नालाओ एड्का गेआ।
(बुरे काम का अंजाम भी बुरा ही होता है।)

51. गउञ एरा चेन्टा चि हिलि एरा'ह चेन्टा – गाउञ एवा ओन्डो: हिलि एरा'ह हि'सिंगा चेन्टा दो उमिया कना (सौतेली माँ और भाभी का करनामा तो बदनाम है।)

52. टेरे रिमिल क:ए गया'या–पइटि हो'को कको कजिबा'या (गरजता बादल बरसता नहीं।)

53. ओकोए कटा दोए: दुपिलअ। सेनता रे जान अ: का जांनअ: तेगाओ: गेया।
(कोई सिर में पैर ढोकर नहीं चलता।)

54. कजिजन कजि का अगुउरा दइओ:अ।– उडु: विचर केआते जगारे रेगे बुगिना।
(मुँह से निकली बात वापस नहीं लौटती।)

55. कजि दो तम पोंदोरो, ओव: दो तम दोदोरो। पेए दइआते परोम जगरए।
(बोली तुम्हारा फरफर, खोली तुम्हारा जर्जर।)

56. कटा रेय: पगा होटो: ते रकब। ओन्डो: पुरअ: मुश्किल रे टोओ:न।
(पैर का फंदा गले में डालना।)

57. कमि रेय: (पइटि रेय:) दो कपाजिओ: गेया।कमि (पइटि) दो कपाजि रे एनं सेसेना। (काम के लिए झगड़ा होता ही है।)

58. कुचाकन विड. सुउ:इ रेदोए: हुअ: गेअ। अदानाएते सोंकोटो सेन नम।
(कुंडली मारे सांप के बिल में हाथ डालने पर वह भी काटता है।)

59. कुइड् अहगुन रे दुम्बु हउरे गेअ। बलय एसकर गे का हुजु:अ।
(चील जब झपटा मरती है, तो घास–फूस भी उठाकर ले जाती है।)

60. कुदा उम्बुल चि चाड्रि एरा? सेन होरा होको को कुदा उम्बुल को सुकुअः ओन्डोः सेपेड़को चाड् (जामुन पेड़ की छाया या परित्यक्त स्त्री?)

61. कुपुलिजन रे नाता नमोः गेअ। आह ओटअः केरे नाता नमोः गेअ।
(मुँह खोलने पर रिश्ता मिलता ही है।)

62. कुम्बु तेतेः काको सुकुअः। एड्कन पइटि होको नुबअः रेगे को उडुड़ोअ।
(चार को चांदनी रात अच्छी नहीं लगती है।)

63. कुला लाइः चि देंवा लाइः? कुला जिलु रेयः को लोबोओ, देवां दांडे रेयः।
(बाघ का पेट या ओझा का पेट?)

64. कोंएतन को रेंगे ओवः ते काको सेना। ओकोए तअः रेम चिरगल तअः इनिःअत गे देंगा असि सेनोआ। (भिखारी भी गरीब के दरवाजे पर भीख नहीं मांगते।)

65. कोतअः रे जिनिड् मेनअः एनतअः रेगे गोनोएः- गोनोएः दोएः हर बियुर गेअ।
(जहाँ जीना है वहीं मरना है।)

66. गउञ एरा रेयः चेंटा चि हिलि एरा रेयः चेंटा- तयोम एयड.ओन्डोः हिलि एरा दो हिसिंगा चेंटा रेदोकिन नुतुमाकना। (सौतेली माँ की कुटिलता या भौजाई की?)

67. गुड़ा पुसिः जानते हसु रिंडोःगेआ। पइटि बइजन चनब ते पइटि देंगा केनको रिंडोःगेअ।
(फोड़ा फूट जाने के बाद मरीज उसका दर्द भूल जाता है।)

68. गुपिनिः उरिः ओन्डोः मेरोम मियड् सोटा तेगेए हरकोअ। सोबेन मिड् बराबरि गे लेल।
(चरवाह गाय, बैल और बकरियों को एक ही लाठी से हाँकता है।)

69. जनुम तेगे जनुम सू उडुडोःअ। एड्कन हो दो एड्कन हो तेगे को सबःअ (कबु) दइयोःअ। (काँटे से ही काँटा निकलता है।)

70. जाहतेम सेनोः रेयो उमबुल दोएः ओतोड. गेअ- दुकु का निर बगे दइओअ।
(जहाँ काया जाय, तहाँ छाया जाय।)

71. जोम केन कलगी रे इःइ- होको बुगिनाकअय तेयः का मनातिड.। (जिस पत्तल में खाना उसी में मल त्यागना।)

72. टका तेगे टका बइओःअ-टका मेनअः रेगे एना सँगियोअः। (पैसा से पैसा बनता है।)

73. दअः दुपिल अउनिः चि बहरि अउनिः- कुइ होन चि कोवा होन। (पानी लोने वाली या भार ढोनेवाला।)

74. दांडे जोम देवों चि टका जोम राजा-देवाँ दांडे रेयः ओन्डोः राजा टका रेयः को लोबोअ (चढ़ावा खाने वाला ओझा या रूपया खाने वाला राजा।)

75. पदाए गुंडि गे पुरअःए सडे.अ- काजि होकोगे बुगिन सलाहओ को एमेया।
(जो गाय लात मारती है, वही अधिक दुध देती है।)

76. संगे जटा गे पे:ए'यना– मोजोते रेगे पे:ए मेन:अ (एकता में ही बल होता है।)

77. दरू रे टका का जो'ना – रूपया-पैसा पेड़ में नहीं फलता (बलबल ओन्डो: पे:ए एड़:ए एनड-टका-पोएसा नमो:अ।

78. बरोन गे रेड् दो। कटाबेन मनान रे चिमिनड. लाबोमेनअ:, इमिनड. रेड् रेयो बनो:अ। (परहेज ही दवा है।)

79. बाड़ि द: अलोम ओतोड.अ, दड़ि दअ: लेलेम– पइटि नला रेय:: लोब ते ओते हसाव निर बगे का बुगिना। (बाढ़ के पीछे मत भागो जलस्रोत का मोल जानो।)

80. बुटा सब केआते नइ ओतोड़। एंगा अपुकोअ: होरोते होनकोअ: नाताकोता नम। (जड़ पकड़कर उसका थाह ढूँढना।)

81. बिने राजा रेन पोरजा को लेका– अपनअ: सुकु सनं तइनो:। (बिना राजा का प्रजा)

82. बिने सेंगेल रे चि सुकुल उडुड.– एनकाते कजि का सेनो:अ। (बिना आग का धुंआ नहीं निकलता है।)

83. डिंडा कुड़ि डोंडी चिरे मेरेल जों डोंडो– मेरेल जो केड़े:ते का गोपोडा कनो: लेका बर ओव: टइन तन एरा कए: टिकावो:वा, वा आवे: ते तइदो इसु दुकुवा, मुरूकुते बर ओव: ते (हिरूम चेतन हिरूम) को तइना। (बहु विवाह प्रथा-तकलीफ कर घर होता है। अर्थात एक म्यान में दो तलवार कदापि अच्छा नहीं होता है।

84. सदोम आह रे लगम मेन:, हो आ' रे लगम बनो: वा– हो को जना कजि कको हपा-दइया बड् को कजिगेया (घोड़ा के मुंह में लगाम होता है पर आदमी के मुंह में नहीं)

85. तोल करकड का पेड़े – मोजोत रेगे पे:ए मेन: (एकता में ही बल है)

86. तोवाउ ओए काअ् तुका रेगेए: जरोमेअ। दूसटु को अकोअ: चेंटा काको बगेअ। (कोयल कौआ के घोंसले में ही अण्डे देती है।)

87. सुकुरि चिइइ: जोमे: बगेया– जान: एड्कन: सेबेयानि: जा चिमिन मनाइरेयो कए: मनावो:वा, सोमजावइरेयो कए: सोमजावो:वा (आदत से लाचार होना)

88. मोया गंडा बाराबरि बनो: वा सबेन हो को मिडगे बड. कोवा, तराको असुलतना, तरा के रेगे: तना (पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती है।)

89. दअ: तम लेरे का हटिको:अ एपेरड. कपाजि ते नाता का चबाओ:तन। (लाठी मारे पानी जुदा नहीं होता)

90. दसि पुसि रम्बा रसि (मगे पोरोब रे रम्बा का उतुइय दसि को बगे सनड. मेन: रेदो रम्बा) रम्बा रसि उतुलो: मंडिको एमा कोवा, लिज: सुतुइ एमन को एमाकोवा, एन्ते बसिरेको विदाइको (मागे पर्व में नौकर को उड़द और हड़िया दिया जाता, विदाई किया जाता है।)

91. कड्सोम बा' चयला, बबा बा' रसिका– लिजः तुसिञ तारे चेहरा ने 'ला, मंडि-डियड.रे रसिका नमोः बा (उपर से छाम–छुम भीतर से खाली)

92. मनातिड. ली रेदो महादेड् कारे दो दिरि – बोंगा बुरू दो विसास चेतन रेगे। (मानो तो देव, नहीं तो पत्थर।)

93. मरड. पइटि हुड़िञ पइटि तेगे एटे:लगा तिड.ा। हुडिञ तेगे जान पइटि मरडोअः। (बड़े काम की शुरूआत छोटे कामों से ही करनी चाहिए।)

94. बुटि तोपाकन टयड् का रिड.ोःअ – अपनअः जोनोम हतु का रिंडोःअ (अपने जन्म स्थान कोई नहीं भुलता)

95. बुगिन सकम रेगे ओए को इःइअ– बुगिन हो' को जोंको दोसोओ (भले–निदोर्ष व्यक्ति पर ही दोषारोपण लगता है।)

96. का एंगा–अपुअन होन को – अम्बरोबें यन को (जिस राज्य में राजा नहीं उस राज्य का प्रजा अनाथ है।)

97. मनवा को रे मियड् बनोः मियड् दोसो तइनगेया– जाहन होको का पाप ते बड.कोवःआ। (इन्सान में कोई न कोई अवगुण रहता ही है)

98. चिमिन आ इमिन कजि– चिमिन हो इमिन किसुम–किसुम कजि का ओःला (जितनी मुँह उतनी बात)।

99. अपन अपन रचा जोः। – अपन–अपन ओवः दूवर लेल (अपने–अपने घर आंगन की सफाई करना।)

100. अपनअः कुरकुर अपन गेएः जोमा।– अपनअः कुरकुर ते अपनअः गे हइन होबाओःअ। (अपना गुस्सा अपने को ही निगलता है।)

101. अपनअः गइः दो अपन सुसुन तइ एनड.। अपनअः एरा दो अपन चलवतइ एनड.। (अपनी घरवाली को आप ही चलाना चाहिए।)

102. अपनअः लिते मंडि ते असुल तअःइ सेताओ को हुःआ। अपन जोगव तअःइ होको को चकाडा। (अपने रोटी के टुकड़ों पर पलनेवाला कुत्ता भी कटता है।)

103. अपनअः रचा दुवर रे एंगा सिमो को सोदाअः। अपनअः इलाका रे सोबेन को पेएःओआ। (अपने घर आंगन में मुर्गी भी चोंच मारती है।)